अध्याय-17

वानिकी शिक्षा

अधिदेश

निदेशालय के मुख्य कार्यकलाप इस प्रकार हैं :

व.अ.सं.-सम विश्वविद्यालय, जो इस समय वानिकी में स्नातकोत्तर और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों और डॉक्टरल कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है, का पर्यवेक्षण; प्रशिक्षित मानव संसाधन सृजित करने के लिए शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; वानिकी शिक्षा प्रदान करने वाले विश्वविद्यालयों को सहायता उपलब्ध कराना है।

राष्ट्रीय प्रशिक्षण

वर्ष 1999-2000 के दौरान निदेशालय द्वारा निम्न स्थानीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	सहभागियों की संख्या
अनुसंधान एवं विकास प्रबंध, ए.एस.सी.आई., हैदराबाद में प्रशिक्षण	26.7.99 से 31.7.99	19
अनुसंधान एवं विकास प्रबंध, ए.एस.सी.आई., हैदराबाद में प्रशिक्षण	5.7.99 से 10.7.99	20
अनुसंधान कार्यपद्धति प्रशिक्षण, आई.ए.एस.आर.आई., दिल्ली	9.8.99 से 20.8.99	23
अनुसंधान कार्यपद्धति प्रशिक्षण, आई.ए.एस.आर.आई., दिल्ली	6.9.99 से 17.9.99	26

अर्न्राष्ट्रीय प्रशिक्षण :

यह विश्व बैंक फ्री प्रोजेक्ट का एक अभिन्न घटक रहा है, जिसका उद्देश्य वानिकी अनुसंधान के क्षेत्र में नवीनतम उन्नतियों, अनुसंधान के लिए नयी विधियों एवं पहुचों और उन्नत अनुसंधान उपकरकों के उपयोग में भा.वा.अ.शि.प. के वैज्ञानिकों एवं वनविदों को जानकारी उपलब्ध कराना है। फ्री परियोजना में इस उद्देश्य के लिए रूपये 515.6583 मिलियन राशि के कुल 324 प्रशिक्षण उपलब्ध कराए गए। अब तक 324 प्रशिक्षण रूपरेखाओं का उपयोग किया गया।

विश्वविद्यालयों को सहायक अनुदान :

स्नातक और स्नातकोत्तर स्तरों पर वानिकी प्रशिक्षण देने वाले विश्वविद्यालयों में वानिकी संकायों की अवसंररचना को सशक्त बनाने के लिए, निम्न विश्वविद्यालयों को 2 करोड़ रूपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई।

विश्वविद्यालय का नाम	वर्ष	सहायक अनुदान (रूपये लाख में)
तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर	1999-2000	16.03
गुरू घासी दस विश्वविद्यालय, बिलासपुर	1999-2000	27.90
केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिसूर	1999-2000	50.00
एच.एन. बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (उ.प्र.)	1999-2000	24.40
बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची	1999-2000	10.05
पंजाब कृषि विश्वविद्यालय	1999-2000	5.70
कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़	1999-2000	12.10
उड़ीसा कृषि विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर	1999-2000	24.74
एस.के. कृषि एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, शालीमार, जम्मू व कश्मीर	1999-2000	20.251
सी.एस.एस. हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार	1999-2000	9.57
सम विश्वविद्यालय	1999-2000	20.01

पाठ्यक्रम एवं पाठ्यचर्या विकास :

एम. एससी. वानिकी पाठ्यक्रम तैयार किया गया और उन सभी भारतीय विश्वविद्यालयों, जो एम. एससी. वानिकी डिग्री प्रदान कर रहे हैं, में कार्यान्वयन के लिए प्रचालित किया गया।

मानव संसाधन विकास योजना

मैसर्स विनरॉक इन्टरनेशनल के माध्यम से आई.ए.एम.आर., नई दिल्ली द्वारा तैयार की गई पूर्व मानव संसाधन विकास योजना को परिषद् द्वारा सन्तोषजनक नहीं पाया गया। इसका पुनरीक्षण और संशोधन करने

के लिए अक्टूबर, 1999 में वन प्रबन्धकों एवं वैज्ञानिकों के सन्तुलित प्रतिनिधित्व को मिलाकर एक आन्तरिक दल का गठन किया गया। मानव संसाधन विकास योजना को विकसित किया जा रहा है।

अनुसंधान शिक्षावृत्तियां

परिषद् के विभिन्न संस्थानों में किए जा रहे वानिकी अनुसंधान में सहायता उपलब्ध कराने के लिए, विवरणाधीन वर्ष के दौरान 146 शिक्षावृत्तियाँ स्वीकृत की गई।

कनिष्ठ अनुसंधान अध्येता	:	107
वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता	:	23
सह अनुसंधानकर्ता	:	16

अनुसंधान अध्येता और सह अनुसंधानकर्ता विश्व बैंक फ्रीप परियोजना और अन्य परियोजनाओं के अन्तर्गत वानिकी के विभिन्न पहलुओं में अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन करते हैं।

वन अनुसंधान संस्थान सम विश्वविद्यालय

व.अ.सं. सम विश्वविद्यालय निम्न चार विषय-क्षेत्रों में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और डिग्री पाठ्यक्रम को संचालित करने में सक्रिय रूप से जुटा है।

1. रोपण प्रौद्योगिकी
2. लुगदी और कागज प्रौद्योगिकी
3. एम. एससी. वानिकी (अर्थशास्त्र और प्रबंध)
4. एम. एससी. काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय ने अनुसंधान शिक्षा वृत्तियाँ उपलब्ध कर परिषद् के विभिन्न संस्थानों में वानिकी के अनेक विषय-क्षेत्रों में डॉक्टरल और पोस्ट-डॉक्टरल अनुसंधान कार्यक्रम भी शुरू किए हैं। वर्ष 1999-2000 के दौरान 40 अभ्यार्थियों को अनन्तिम रूप से पीएच.डी. डिग्री प्रदान की गई।

विभिन्न स्नातकोत्तर डिप्लोमा और डिग्री कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की संख्या इस प्रकार है :

डिप्लोमा पाठ्यक्रम

i.	रोपण प्रौद्योगिकी पर स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम	प्रथम सत्र	15
ii.	लुगदी और कागज प्रौद्योगिकी पर स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम	प्रथम सत्र	08
iii.	जैवविविधता संरक्षण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	प्रथम सत्र	14

डिग्री पाठ्यक्रम

i.	एम. एससी. वानिकी (अर्थशास्त्र व प्रबंध)	प्रथम सत्र	20
		तृतीय सत्र	13
ii.	एम. एससी. काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	प्रथम सत्र	15
		तृतीय सत्र	15
iii.	एम. एससी. पर्यावरण प्रबंध	प्रथम सत्र	16